वृन्दावन दे नज़ारे लैन

वृन्दावन दे नज़ारे लैन

वृन्दावन दे नज़ारे लैन, चलो चलिए सारे भगत प्यारे कहन, चलो चलिए

बांके दे मंदिर जावांगे, रज रज के दर्शन पावांगे
आनंद बांके दे द्वारे लैन, चलो चलिए...

यमुना जल स्नान करांगे,
हरिनाम रस पान करांगे संतां भक्तां दे दीदारे लैन, चलो चलिए...

लुट लुट राधा नाम दी मस्ती, भुल जावांगे अपनी हस्ती
राधा नाम दे सहारे लैन, चलो चलिए...

दुनियादारी भुल जावांगे, रंग ओहदे विच्च रंग जावांगे
'मधुप' प्रेम दे हुलारे लैन, चलो चलिए...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : मोहन दास ब्रज टीनू सिंह (फगवाडा)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36833/title/vrindavan-k-nazare-lain

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |